C-9 Assessment For Learning

Measurement (मापन) :-

कैम्पबेल के अनुसार :-

वस्तुओं या घटनाओं को प्रतीकों में व्यक्त किया मापन कहलाता है।

ब्रेडफील्ड तथा मोरडाक के अनुसार :-

मापन की प्रक्रिया में किसी घटना या तथ्य के विभिन्न प्रतीक निश्चित किया जाता है ताकि उस घटना या तथ्य के बारे में यथार्थ निश्चित किया जाता है।

जे. सी. नन्ले के अनुसार :-

वस्तुओं के लिए संख्या देने के नियमों को मापन कहते हैं। जिसके द्वारा वस्तुओं की विशेषताओं का परिमाण निर्धारित होता है।

Functions of Measurement

मापन के कार्य :- मापन के निम्नलिखित कार्य है।

① चयन में (In selection) :-

मापन यन्त्रों का कार्य चयन में व्यक्तियों की योग्यता का प्रत्यक्ष किया जाता है। कभी-कभी चयन किये गये व्यक्ति अपनी योग्यता को सिद्ध करने में असफल होते है और प्रबन्ध तन्त्र को बरखास्त करने, निलम्बित करने जैसे कठोर कदम उठाना पड़ता है। मापन का उपयोग औद्योगिक संस्थानों में, सेवा में, सरकारी नौकरियों में तथा विद्यालयों में प्रवेश के लिए किया जाता है।

(2) वर्गीकरण (Classification) :-

मापन विभिन्न प्रकार के वर्गीकरण में सहायक होता है।

Date
Page

जो योजना को प्रभावकारी रूप में चलाने के लिए अनिवार्य होता है।

जैसे :- कक्षा में कुछ छात्र समस्यात्मक होते हैं जिन्हे कक्षा अध्यापक अलग करना चाहते हैं ताकि अन्य छात्रों का नुकसान न हो। इस प्रकार मापन छात्रों को आवश्यकता अनुसार वर्गीकृत करने में सहायक होता है।

(3) तुलना में (Comparison) :-

गाल्टन और डार्विन के प्रारम्भिक प्रारम्भिक शोधों से यह ज्ञात होता है कि कोई भी दो व्यक्ति एक समान नहीं होते हैं। अर्थात गुणों में, मानसिक प्रक्रियाओं में, आदतों में, शैक्षिक उपलब्धियों तथा क्षमताओं में वैयक्तिक भिन्नता पाई जाती है। छात्र A, छात्र B से गणित ज्ञान में उत्तम है।

Date
Page

(4) निर्देशन और परामर्श
(Guidance and Counselling)

शिक्षक मनोवैज्ञानिक को निर्देशन और परामर्श में सहायता करता है। परामर्श एक प्रकार की विशिष्ट निर्देशन योजना है जो व्यक्ति को दी गई उस सलाह को इंगित करती है जिसके द्वारा वह जीवन की विभिन्न समायोजन समस्याओं का कल्याणकारी हल प्राप्त करता है।

(5) कक्षा में शिक्षण को सुधारना

एक अध्यापक कक्षा में सभी छात्रों को एक ही तरीके से पढ़ाता है पर हर विद्यार्थी का परिणाम अलग-अलग आता है। इसका कारण यह है कि कुछ छात्रों के लिए शिक्षण का स्तर उनकी मानसिक योग्यता के अनुकूल

होता है और छात्र के लिए मानसिक योग्यता के नीति का उपयोग होता है। इस प्रकार मापन शिक्षक कक्षा में शिक्षण को सुधार सकता है।

(6) शोध (Research) :-

सभी प्रकार के शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक शोध का मूल मुख्य आधार है। मनोवैज्ञानिकों और शैक्षिक शोधों में प्रायः एक परिवर्ती के दूसरे पर प्रभाव का अध्ययन किया जाता है। अतः विभिन्न प्रकार के मापन का उपयोग करके शोध अभिकल्प, सांख्यिकी विश्लेषण तथा परिणामों को निष्कर्ष निर्धारित किया जाता है।

(7) निदान (Diagnosis) :-

शैक्षिक निदान में अनेक तकनीकी प्रविधियों का प्रयोग किया जाता है।